04 कंपनियों ने बढ़ाई बाजार वैल्यू

मुंबई, 12 जुलाई भारतीय शेयर बाजार में पिछले सप्ताह उतार-चढ़ाव के बीच देश की सबसे मूल्यवान शीर्ष-10 कंपनियों में से चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 92,995.48 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

शीर्ष-10 कंपनियों में चार की वैल्यू बढ़ी

रिलायंस, एयरटेल और एलआईसी को भी फायदा

इस बढ़त में निजी क्षेत्र के बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया. इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार वैल्यू में भी इजाफा हुआ. वहीं, बाजार की कमजोरी के चलते शीर्ष-10 कंपनियों में शामिल छह कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा. इन छह कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 49,294.13 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई.

पिछले कारोबारी सप्ताह में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में हल्की गिरावट देखने को मिली. इसके साथ ही चार सप्ताह से लगातार जारी बाजार की तेजी पर भी ब्रेक लग गया. पूरे सप्ताह में सेंसेक्स 194.52 अंक यानी 0.25 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 63.95 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ लाल निशान पर रहा. सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 10 जुलाई को शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली. सेंसेक्स 828 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,569 अंक पर बंद हुआ. वहीं, निफ्टी में भी 244 अंकों यानी 1.02 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई.

एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा फायदा

शीर्ष-10 कंपनियों में सबसे बड़ा फायदा एचडीएफसी बैंक को मिला. बैंक के बाजार पूंजीकरण में 35,808.09 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई. इसके बाद बैंक का कुल बाजार मूल्य बढ़कर 12,69,454.42 करोड़ रुपये पहुंच गया. बैंकिंग सेक्टर में सकारात्मक माहौल और निवेशकों की बढ़ती खरीदारी के कारण एचडीएफसी बैंक के शेयरों में मजबूती देखने को मिली. निवेशकों ने बैंक के प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए इसमें रुचि दिखाई.

रिलायंस, एयरटेल और एलआईसी की वैल्यू भी बढ़ी

एचडीएफसी बैंक के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और एलआईसी ऐसी कंपनियां रहीं, जिनके बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई. इन कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन से शीर्ष कंपनियों की कुल वैल्यू में सकारात्मक बदलाव आया. टेलीकॉम क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल को भी निवेशकों का समर्थन मिला. वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलआईसी ने भी बाजार में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी.

कंपनियों के तिमाही परिणामों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई, 12 जुलाई. घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही परिणामों पर रहेगी. अगले सप्ताह कई दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं. एचसीएलटेक्नोलॉजीज, भेल, टेक महिंद्रा, विप्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के पहली तिमाही के परिणाम 13 जुलाई से 18 जुलाई के बीच जारी किये जायेंगे. इन कंपनियों के परिणामों का सीधा असर उनके शेयरों और पूरे बाजार पर दिखेगा. वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया संकट की स्थिति पर भी निवेशकों की नजर रहेगी. साथ ही कच्चे तेल में जारी उतार-चढ़ाव का असर भी बाजार पर दिखेगा.

आईआरसीटीसी पोर्टल में होंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली, 12 जुलाई भारतीय रेलवे यात्रियों को टिकट बुकिंग का बेहतर अनुभव देने के लिए आईआरसीटीसी वेबसाइट का नया बीटा वर्जन 15 जुलाई को लॉन्च करने जा रहा है. नए पोर्टल में ऑनलाइन टिकट बुकिंग को आसान और तेज बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं. अब यात्रियों को टिकट बुक करते समय बार-बार आने वाले कैप्चा और पॉप-अप विंडो से राहत मिलेगी. इसके अलावा एक ही स्क्रीन पर सभी श्रेणियों की सीटों की उपलब्धता भी दिखाई देगी.

कैप्चा और पॉप-अप की परेशानी होगी खत्म

एक स्क्रीन पर दिखेगी सभी सीटों की उपलब्धता

नए पोर्टल को लॉन्च करने से पहले रेलवे अधिकारियों ने इसका परीक्षण शुरू कर दिया है. शुक्रवार को आईआरसीटीसी और सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम्स (क्रिस) के अधिकारियों ने जयपुर स्थित मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्रों को नए बीटा वर्जन का लाइव डेमो दिखाया. रेलवे ने छात्रों से नए प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल को लेकर सुझाव और फीडबैक भी मांगा है.

रेल मंत्री के वादे के बाद तैयार हुआ नया पोर्टल

आईआरसीटीसी वेबसाइट में बदलाव का यह फैसला कुछ हफ्ते पहले हुई एक बैठक के बाद लिया गया था. एमएनआईटी जयपुर के छात्रों ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर मौजूदा वेबसाइट की समस्याओं और यात्रियों को होने वाली परेशानियों के बारे में जानकारी दी थी. इसके बाद रेल मंत्री ने 15 जुलाई तक पोर्टल में सुधार का भरोसा दिया था. रेलवे अब इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए नए पोर्टल को यात्रियों के लिए उपलब्ध कराने जा रहा है.

टिकट बुकिंग होगी पहले से आसान

नए आईआरसीटीसी पोर्टल में टिकट बुकिंग के चरणों को कम किया गया है. इससे यात्रियों का समय बचेगा और चेकआउट प्रक्रिया तेज होगी. नए फीचर के तहत पहले से सेव की गई यात्री जानकारी के जरिए दोबारा टिकट बुक करना भी आसान हो जाएगा. यात्री कम समय में अपनी यात्रा की जानकारी भरकर टिकट बुक कर सकेंगे.

तीन यूरोपीय देशों की यात्रा पर जाएंगे मंत्री गोयल

नयी दिल्ली,12 जुलाई वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल 13 से 17 जुलाई तक स्पेन, बेल्जियम और फ़िनलैंड के दौरे पर जाने वाले एक उच्च-स्तरीय भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे.

यह दौरा यूरोप में आर्थिक साझेदारी को मज़बूत करने के भारत के संकल्प को दिखाता है, जिसमें व्यापार, निवेश, तकनीक, नवाचार और सतत विकास पर ध्यान दिया जाएगा. इस प्रतिनिधिमंडल में उन्नत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल टेक्नोलॉजी, रत्न और आभूषण, खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य देखभाल और डिज़ाइन जैसे क्षेत्रों की प्रमुख भारतीय कंपनियाँ शामिल हैं.

श्री गोयल स्पेन में 13 जुलाई को 'चैंबर ऑफ़ कॉमर्स ऑफ़ स्पेन', और 'आईसीईएक्स स्पेन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट' के साथ एक व्यापारिक बातचीत में हिस्सा लेंगे. इस सेशन में स्पेन और भारत के उद्योग जगत के दिग्गज ऑटोमोटिव, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अवसरों पर चर्चा करेंगे. इबेरड्रोला, एक्शियोना, सीएएफ, टैल्गो, गेस्टैम्प और इंद्रा जैसी स्पेनिश कंपनियाँ पहले से ही भारत में मौजूद हैं.

जियोफाइनेंस से सिर्फ 24 रुपए में भरें आयकर रिटर्न

शुल्क पर मिलेगा 25 प्रतिशत तक इनाम

मुंबई, 12 जुलाई. टैक्स भरने के मौसम के बीच जियोफाइनेंस ने ग्राहकों के लिए आयकर रिटर्न भरने की सेवा दोबारा शुरू कर दी है. कंपनी ने इस बार रिटर्न भरने की प्रक्रिया को सस्ता और आसान बनाने के साथ ग्राहकों के लिए इनाम योजना भी शुरू की है. अब ग्राहक जियोफाइनेंस ऐप के माध्यम से केवल 24 रुपये से अपना आयकर रिटर्न भर सकेंगे. साथ ही, रिटर्न भरने के शुल्क पर 25 प्रतिशत तक जियोपॉइंट्स भी मिलेंगे, जिनका इस्तेमाल खरीदारी और अन्य सुविधाओं में किया जा सकेगा.

जियोफाइनेंस की नई सुविधा शुरू- जियोफाइनेंस ने यह सेवा टैक्सबडी के साथ साझेदारी में शुरू की है. टैक्सबडी आयकर विभाग में पंजीकृत ई-रिटर्न मध्यस्थ संस्था है. इस सुविधा के माध्यम से लोगों को कर योजना बनाने, आयकर रिटर्न भरने, कर बचत के विकल्पों की जानकारी, अलग-अलग कर व्यवस्था की तुलना और धनवापसी की स्थिति जानने जैसी सुविधाएं मिलेंगी.

खुद भरने और विशेषज्ञ सहायता दोनों विकल्प- जियोफाइनेंस ऐप पर ग्राहकों को अपनी जरूरत के अनुसार दो विकल्प दिए गए हैं. पहला विकल्प खुद से आयकर रिटर्न भरने का है, जिसकी शुरुआत 24 रुपये से होगी. दूसरा विकल्प विशेषज्ञ सहायता वाला है, जिसमें कर विशेषज्ञों की मदद ली जा सकती है.

शुल्क पर मिलेगा जियो पॉइंट्स का लाभ

कंपनी के अनुसार, ग्राहकों को रिटर्न भरने के शुल्क का 25 प्रतिशत तक जियोपॉइंट्स के रूप में लाभ मिलेगा. इन जियोपॉइंट्स का उपयोग विभिन्न खरीदारी छूट, उपहार कूपन और साझेदार संस्थाओं की सुविधाओं के लिए किया जा सकेगा. जियोफाइनेंस ने कहा है कि ग्राहकों की निजी और आर्थिक जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रखी जाएगी. जानकारी का उपयोग केवल आयकर रिटर्न भरने के उद्देश्य से किया जाएगा और इसे सुरक्षित तकनीकी व्यवस्था के माध्यम से संभाला जाएगा.

दिल्ली में फ्लेक्स-फ्यूल कारों की रफ्तार धीमी

ईंधन की सीमित उपलब्धता और कम विकल्प बनी बड़ी वजह

नई दिल्ली 7 12 जुलाई केंद्र सरकार की पेट्रोल पर निर्भरता कम करने और एथेनॉल आधारित ईंधन को बढ़ावा देने की योजना के बावजूद फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों को शुरुआती दौर में ग्राहकों का अपेक्षित समर्थन नहीं मिल रहा है.

सरकारी वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में अब तक केवल चार फ्लेक्स-फ्यूल कारों का पंजीकरण हुआ है. विशेषज्ञों का मानना है कि ईंधन की सीमित उपलब्धता, कम वाहन विकल्प और सर्विस नेटवर्क की कमी के कारण ग्राहक अभी इस नई तकनीक को अपनाने में हिचक रहे हैं भारत में वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक पर लगातार जोर दे रही है. इस तकनीक से चलने वाले वाहन पेट्रोल, एथेनॉल या दोनों के मिश्रण से चल सकते हैं. हालांकि, दिल्ली में इस नई तकनीक को लेकर ग्राहकों की रुचि अभी काफी कम दिखाई दे रही है. सरकारी वाहन पोर्टल के अनुसार, फ्लेक्स-फ्यूल कारों की शुरुआत के बाद से दिल्ली में अब तक सिर्फ चार यात्री वाहनों का रजिस्ट्रेशन हुआ है.

फ्लेक्स-फ्यूल वाहन खास तकनीक से लैस होते हैं, जिनमें ऐसे सेंसर और इंजन कंट्रोल सिस्टम लगाए जाते हैं जो ईंधन के मिश्रण के अनुसार इंजन की कार्यप्रणाली को खुद एडजस्ट कर लेते हैं. ये वाहन E85 और E100 जैसे ज्यादा एथेनॉल वाले ईंधन का इस्तेमाल करने में सक्षम होते हैं. दिल्ली में फ्लेक्स-फ्यूल कारों की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 7.2 लाख रुपये है. वहीं फ्लेक्स-फ्यूल मोटरसाइकिलों की कीमत लगभग 72 हजार रुपये से 1.24 लाख रुपये तक है.

चावल नरम, गेहूं, चीनी में साप्ताहिक तेजी

दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 12 जुलाई घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल का औसत भाव घट गया. वहीं, गेहूं और चीनी में तेजी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया.

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 33 रुपये गिरकर सप्ताहांत पर 3,884 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी.

गेहूं दो रुपये महंगा हुआ और 2,800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बोला गया. आटे का भाव 15 रुपये चढ़कर 3,273 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा.

सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 44 रुपये और तुअर दाल की 39 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. मसूर दाल भी तीन रुपये महंगी हुई. वहीं, चना दाल की कीमत पांच रुपये और मूंग दाल की छह रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी.

खाद्य तेलों में भी उतार-चढ़ाव रहा. मूंगफली तेल की औसत कीमत 213 रुपये और सूरजमुखी तेल की 26 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. वहीं, सरसों तेल 68 रुपये और सोया तेल 50 रुपये फिसल गया.

स्विगी इंस्टामार्ट पर फूड सेफ्टी सवाल

सड़े अंडे, खराब दूध डिलीवरी की शिकायतें

नई दिल्ली, 12 जुलाई फूड सेफ्टी को लेकर क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी इंस्टामार्ट पर गंभीर सवाल उठे हैं. भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने ग्राहकों की शिकायतों के आधार पर स्विगी इंस्टामार्ट को 9 नोटिस जारी किए हैं. शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि प्लेटफॉर्म के जरिए ग्राहकों को सड़े अंडे, खराब दूध और एक्सपायरी डेट वाले पैक्ड फूड प्रोडक्ट्स की डिलीवरी मिली.

एफएसएसएआई ने कंपनी से पूरे मामले पर स्पष्टीकरण और अनुपालन रिपोर्ट मांगी है. अगर कंपनी तय समय में संतोषजनक जवाब नहीं देती है, तो उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा सकती है.

एफएसएसएआई के अनुसार, एक मामले में ग्राहक को बच्चों के खाने का ऐसा प्रोडक्ट मिला, जो खराब और असुरक्षित स्थिति में था. जांच में यह भी सामने आया कि प्रोडक्ट को सही तरीके से स्टोर नहीं किया गया था. शिकायतकर्ता द्वारा सामान वापस किए जाने के बाद भी कथित तौर पर वही खराब प्रोडक्ट दोबारा भेज दिया गया. इसके अलावा कई ग्राहकों ने स्विगी इंस्टामार्ट से मिले खराब अंडे, खराब दूध और डैमेज पैकेज्ड फूड आइटम्स को लेकर शिकायत दर्ज कराई है.

समाचार विशेष

अखिलेश ने शुरू किया 'मिशन-50'

हर बूथ पर 50 नए सदस्य जोड़ने की तैयारी

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति तैयार की है. पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा ने 'मिशन-50' अभियान शुरू करने की योजना बनाई है. इसके तहत राज्य के प्रत्येक मतदान बूथ पर कम से कम 50 नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है. पार्टी का मानना है कि बूथ स्तर पर मजबूत संगठन चुनावी सफलता की कुंजी साबित हो सकता है. इसी रणनीति के तहत सपा अपने समर्थकों और नए कार्यकर्ताओं को सीधे संगठन से जोड़ने पर जोर दे रही है.

सपा की रणनीति का मुख्य केंद्र वे विधानसभा सीटें हैं, जहां वर्ष 2022 के चुनाव में जीत और हार का अंतर बेहद कम रहा था. पार्टी का आकलन है कि यदि इन सीटों पर बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत किया जाए और सक्रिय सदस्य बढ़ाए जाएं, तो आगामी चुनाव में परिणाम बदले जा सकते हैं. जानकारी के अनुसार, 2022 के विधानसभा चुनाव में करीब 60 सीटों पर जीत-हार का अंतर लगभग 5,000 वोट या उससे कम था. पार्टी इन्हीं सीटों पर विशेष रूप से अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी कर रही है.

घर-घर चलेगा संपर्क अभियान- पार्टी 'मिशन-50' के साथ घर-घर जनसंपर्क अभियान भी चलाने की तैयारी कर रही है. इसका उद्देश्य नए सदस्यों को संगठन से जोड़ना, मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करना और चुनाव के दौरान बूथ प्रबंधन को मजबूत बनाना है.

डिजिटल प्लेटफॉर्म से भी बढ़ाया जाएगा संगठन

उत्तर प्रदेश में लगभग 1.77 लाख मतदान बूथ हैं. यदि प्रत्येक बूथ पर 50 नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य पूरा होता है, तो पार्टी का संगठनात्मक नेटवर्क काफी मजबूत हो सकता है. समाजवादी पार्टी ने सदस्यता अभियान को गति देने के लिए 'बूथ प्रभारी' और 'बूथ प्रहरी' जैसे डिजिटल ऐप भी शुरू किए हैं. इन ऐप्स के जरिए नए सदस्यों का पंजीकरण और बूथ स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों का समन्वय किया जा रहा है.

कांग्रेस से अलग 'गोवा कांग्रेस पार्टी'

पणजी. गोवा में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. चुनाव से ठीक पहले राज्य में एक नई पार्टी बनी है, जिसका नाम है गोवा कांग्रेस पार्टी. जैसे ही इस पार्टी का गठन हुआ कांग्रेस नेताओं की नींद उड़ी.

कांग्रेस के प्रदेश से लेकर दिल्ली तक के नेता आरोप लगा रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी ने गोवा कांग्रेस पार्टी का गठन कराया है. कांग्रेस का कहना है कि भाजपा ने एक सौ करोड़ रुपए खर्च करके यह पार्टी बनवाई है. कांग्रेस के कई नेता इसे कानूनी रूप से चुनौती देने की बात भी कर रहे हैं.

लेकिन मुश्किल यह है कि नाम के आधार पर इसे चुनौती नहीं दी जा सकती है या चुनौती दी गई तो उससे कुछ हासिल नहीं होगा. आखिर कांग्रेस नाम वाली कितनी ही पार्टी हैं, जिनके नेता कांग्रेस छोड़ कर ही गए हैं. तृणमूल कांग्रेस से लेकर नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी तक. ऐसे में गोवा कांग्रेस पार्टी को कैसे चुनौती दी जाएगी? कांग्रेस नेताओं का कहना है कि प्रदेश में कांग्रेस को गोवा कांग्रेस पार्टी या गोवा कांग्रेस कमेटी ही बोलते हैं.

भाजपा का संगठन को मजबूत करने पर जोर

जम्मू. भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने जम्मू-कश्मीर के अपने पहले दो दिवसीय दौरे के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने पर जोर दिया. जम्मू में आयोजित बैठकों में उन्होंने सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायकों, डीडीसी सदस्यों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान और केंद्र सरकार की योजनाओं को अंतिम लाभार्थी तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की.

उन्होंने कार्यकर्ताओं से युवाओं और आम जनता के बीच सक्रिय संवाद बढ़ाने का आह्वान किया. आरएसएस पदाधिकारियों से मुलाकात और राज्य कोर ग्रुप की बैठक में भी जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ. इस दौरान भाजपा नेताओं ने उमर अब्दुल्ला सरकार पर रोजगार और विकास के वादे पूरे न करने का आरोप लगाया और दावा किया कि भविष्य में भाजपा अपने दम पर जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाएगी.

केशव भवन में हुई एक बैठक में नितिन नवीन आरएसएस नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बातचीत की. इसके बाद उन्होंने मौजूदा विधायकों, पूर्व विधायकों, डीडीसी सदस्यों और स्थानीय पंचायत प्रमुखों के साथ बैठक की. बैठक में उन्होंने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए. राज्य कोर ग्रुप की बैठक में उन्होंने केंद्रशासित प्रदेश में पार्टी के रणनीतिक, राजनीतिक लक्ष्यों पर केंद्रित चर्चाओं का नेतृत्व किया. उन्होंने एक युवा संवाद में भाग लिया इस दौरान उन्होंने युवा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत की और उनसे पूरे क्षेत्र के युवाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने का आग्रह किया. नई दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने माता वैष्णो देवी मंदिर जाकर भी अपनी श्रद्धा अर्पित की. भाजपा नेता और विधायक आर.एस. पठानिया ने पत्रकारों को बताया कि पार्टी अध्यक्ष ने सांसदों, विधायकों, पार्टी नेताओं, पूर्व विधायकों और डीडीसी सदस्यों के साथ दो घंटे से अधिक समय तक चर्चा की.

जनसंपर्क को बेहतर बनाने के दिए निर्देश

पठानिया ने कहा कि पार्टी की जनसंपर्क प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए अध्यक्ष द्वारा नए निर्देश दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं और निर्वाचित सदस्यों को राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख योजनाओं के प्रत्येक लाभार्थी से मिलने और उन्हें इन लाभों के बारे में शिक्षित करने का निर्देश दिया गया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मजबूत केंद्र सरकार के कारण ही संभव हो पा रहे हैं.

विशेष | 2027 से पहले कुंडा में विरासत की नई तैयारी!

राजा भैया का गढ़ संभालेंगे बड़कू-छोटकू?

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजनीति में विरासत की राजनीति कोई नई बात नहीं है. मुलायम सिंह यादव के परिवार से लेकर चौधरी अजित सिंह,कल्याण सिंह,स्वामी प्रसाद मौर्य, राजनाथ सिंह और कई बड़े नेताओं के बेटे-बेटियां राजनीति में उतर चुके हैं. अब सवाल प्रतापगढ़ के सबसे चर्चित राजनीतिक परिवार पर आकर टिक गया है.

क्या कुंडा के बाहुबली विधायक और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के मुखिया रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया भी अपनी राजनीतिक विरासत अगली पीढ़ी को सौंपने की तैयारी कर रहे हैं?

इस सवाल की वजह भी है. राजा भैया के जुड़वां बेटे शिवराज प्रताप सिंह (बड़कू) और बृजराज प्रताप सिंह (छोटकू) अब आधिकारिक तौर पर राजनीति में कदम रख चुके हैं. 2027 के विधानसभा चुनाव तक दोनों की उम्र लगभग 24 वर्ष होगी. यदि चुनाव तय समय पर होते हैं और नामांकन के समय तक उनकी उम्र 25 वर्ष पूरी हो जाती है तो वे विधानसभा चुनाव लड़ने के पात्र हो सकते हैं. ऐसे में प्रतापगढ़ की राजनीति में सबसे बड़ी चर्चा यही है कि क्या 2027 में कुंडा या आसपास की किसी सीट से राजा भैया के बेटों की चुनावी एंट्री होगी?

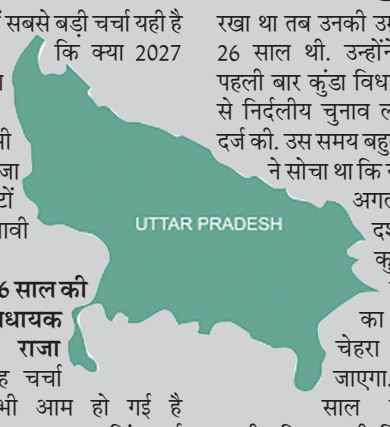

खुद 26 साल की उम्र में विधायक बने थे राजा भैया- यह चर्चा इसलिए भी आम हो गई है क?योंकि रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने जब राजनीति में कदम रखा था तब उनकी उम्र भी करीब 26 साल थी. उन्होंने 1993 में पहली बार कुंडा विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत दर्ज की. उस समय बहुत कम लोगों ने सोचा था कि यह युवा नेता अगले तीन दशक तक कुंडा की राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा बन जाएगा. आज 33 साल बाद वही तस्वीर फिर बनती दिख रही है. फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चर्चा राजा भैया नहीं, बल्कि उनके बेटों की हो रही है.

पहले परिवार में नहीं था कोई सक्रिय नेता- राजा भैया भदरी राजघराने से आते हैं. उनके दादा राजा बजरंग बहादुर सिंह प्रसिद्ध शिक्षाविद् थे और पंतनगर विश्वविद्यालय के पहले कुलपति रहे. उनके पिता उदय प्रताप सिंह राजपरिवार के प्रमुख थे, लेकिन सक्रिय राजनीति में नहीं आए यानी परिवार की राजनीतिक विरासत की शुरुआत खुद राजा भैया ने की और अब सवाल यह है कि क्या उसके अगले अध्याय की जिम्मेदारी उनके बेटे संभालेंगे?

2003 का जन्म और पिता जेल में

दोनों बेटों के जन्म से जुड़ा एक दिलचस्प राजनीतिक प्रसंग भी अक्सर चर्चा में आता है. 2003 में जब दोनों का जन्म हुआ. उस समय मायावती सरकार के दौरान राजा भैया जेल में थे. बताया जाता है कि लगभग 10 महीने तक जेल में रहने की वजह से वे अपने नवजात बेटों का चेहरा भी नहीं देख पाए थे. बाद में राजनीतिक परिस्थितियां बदलीं. भाजपा के समर्थन से बनी मायावती की सरकार गिर गई और मुलायम सिंह यादव ने बसपा के बागियों के समर्थन से अपनी सरकार बना ली.